Syllabus- Music

B.A Part I Examination-2017-18

	Duration	Marks
Paper I	3 hours	40
Paper II	3 hours	40
Practical		120

Paper-I

Section-A

i) परिभाषाएँ:– नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, मुखडा, स्थायी, अन्तरा, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, ताल, लय, मात्रा, सम, खाली, आवर्तन, ठेका, आलाप, तान, बोल–आलाप, बोल–तान, सरगम, तिहाई, मसीतखानी व रजाखानी गत।

ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-B

i) हिन्दुस्तानी संगीत के महत्वपूर्ण एवम् आधारभूत नियम।

ii) निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन में लेखन।
धमार, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल,कहरवा व दादरा।

Section-C

i) उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।

ii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

Paper-II

Section-A

i) परिभाषाएँ– ग्राम, मूर्च्छना, राग लक्षण, नायक, गायक, कलावंत व गंधर्व, आदत, जिगर, हिसाब, गमक के प्रकार व तान।

ii) पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर व पं. विष्णु नारायण भालखण्डे स्वरलिपि की विस्तृत जानकारी।

Section-B

i) संगीतकारों की जीवनियाँ– जयदेव, शारंगदेव, स्वामी हरिदास, अमीर खुसरो, तानसेन, अहोबल व व्यंकटमखी।

ii) तेरहवीं शताब्दी से अठारहवीं शताब्दी के बीच संगीत में हुई प्रगति का सामान्य अध्ययन।

2/7/17

अकादमिक प्रभारी

Section-C

i) निम्नलिखित वाद्यों का वर्णनः–
तानपुरा, तबला व सितार

ii) निम्नलिखित नृत्यों का वर्णनः
कत्थक, भरतनाट्यम, कथकलि व मणिपुरी

प्रायोगिक

(i) इस वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों के थाटों में से किन्ही 10 अलंकारों का अभ्यास।

(ii) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार–
भूपाली यमन, बागेश्री, अल्हैया बिलावल, केदार, हिंडोल, देस, हमीर, व भीमपलासी।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क्र. (iii) में निर्धारित किन्हीं चार रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप–तान सहित)

(v) बिन्दु क्र. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं तीन रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित या तराना।

(vi) बिन्दु क्र. (iii) में निर्धारित किन्हीं दो रागों में एक ध्रुपद (दुगुन, तिगुन, चौगुन) व एक धमार (दुगुन, चौगुन सहित)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन धमार, तिलवाडा, त्रिताल, झपताल, एकताल, चौताल, कहरवा व दादरा।

(viii) पाठ्यक्रम की रागों में से सुगम शास्त्रीय रचनाएँ अथवा भजन।

21/3/17

अकादमिक प्रभारी